भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2123

01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष चिकित्सा पद्धतिको बढ़ावा देना

2123. श्री राजीव राय:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में आम लोगों के बीच आयुष चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और प्रचारित करने के लिए उपाय किए हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मऊ और बलिया जिलों में सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान आयुष चिकित्सा पद्धति के लिए कोई समर्पित शिक्षण संस्थान स्थापित किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): हाँ, स्वास्थ्य सेवा की आयुष पद्धति के प्रचार-प्रसार के अधिदेश को पूरा करने के उद्देश्य से, मंत्रालय सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) के संवर्धन हेतु एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना लागू करता है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश भर में जनसंख्या के सभी वर्गों तक पहुँचना है। इस योजना के अंतर्गत, मंत्रालय राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर आरोग्य मेले, योग उत्सव/उत्सव, आयुर्वेद पर्व आयोजित करता है, महत्वपूर्ण दिवस मनाता है, स्वास्थ्य मेलों/प्रदर्शनियों आदि में भाग लेता है, आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में नागरिकों में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार, कार्यशालाएँ, सम्मेलन आयोजित करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करता है और मल्टीमीडिया, प्रिंट मीडिया अभियान आदि चलाता है।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईईसी) योजना के अंतर्गत, आयुष एनजीओ पोर्टल पर संगठनों से योजना के घटकों के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने के प्रस्ताव प्राप्त होते हैं। उत्तर प्रदेश के मऊ और बलिया जिलों के संबंध में, आईईसी योजना के अंतर्गत मंत्रालय को किसी भी संगठन से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश राज्य में की गई गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं:

i. दिनांक 22 से 24 नवंबर, 2022 तक गाजियाबाद में एक्सपो: राइज इन यूपी में भागीदारी
ii. दिनांक 24 से 27 फरवरी, 2023 तक वाराणसी में राज्य स्तरीय आरोग्य मेला
iii. दिनांक 11 से 13 मार्च, 2023 तक मेरठ में आयोजित हुआ
iv. दिनांक 21 से 23 दिसंबर, 2023 तक गाजियाबाद में एक्सपो: राइज इन इंडिया में भागीदारी
v. दिनांक 20 से 22 फरवरी, 2025 तक गाजियाबाद में आयोजित एक्सपो: राइज इन इंडिया में भागीदारी

vi. दिनांक 2 फरवरी, 2025 को गोंडा में विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर आयोजित एक्सपो में भागीदारी

(ग) और (घ): सरकार ने पिछले पाँच वर्षों के दौरान आयुष चिकित्सा पद्धतियों के लिए 06 समर्पित शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए हैं। इनका विवरण निम्नानुसार है: -

<u>नया संस्थान</u>

i. राष्ट्रीय सोवा रिग्पा संस्थान, लेह

<u>सैटेलाइट संस्थान</u>

i. राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकुला (राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर का सैटेलाइट संस्थान)
ii. राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, नरेला (राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान, कोलकाता का सैटेलाइट संस्थान)
iii. राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, गाजियाबाद (राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान, बैंगलोर का सैटेलाइट संस्थान)
iv. अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, गोवा (अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली का सैटेलाइट संस्थान)

<u>अतिरिक्त केंद्र</u>

i. निसर्ग ग्राम, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान, पुणे का एक अतिरिक्त केंद्र

*****